एम.ई.सी

एम.ए.

(अर्थ ाास्त्र)

सत्रीय कार्य ;2020-21द्ध

प्रथम वर्श

(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्र हेतु)

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली .110 068

एम.ए. (अर्थ ाास्त्र)

सत्रीय कार्य ;2020.21द्ध

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य(टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

जमा कराना

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

जुलाई 2020 चक्र के विद्यार्थियों के लिए: **31.03.2021**

जनवरी 2021 चक्र के विद्यार्थियों के लिए: **30.09.2021**

एम.ई.सी.–101 : व्यश्टि आर्थिक वि लेशण
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.सी–101
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी-101/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2020-21
पूर्णांक : 100

भाग 'क'

इस भाग के सभी प्र न हल करें। **2×20 = 40**

1. (क) अल्पाधिकार के कूर्नो और स्टैकलबर्ग प्रतिमानों में कीमत और उत्पादन निर्धारण का वर्णन करें।

(ख) ऊर्जावर्धक पेय पदार्थों के बाज़ार में केवल एक फर्म है। उस फर्म का लागत वक्र रेखीय है : $C(q) = 4q$ जहाँ q फर्म द्वारा उत्पादित मात्रा द ा रहा है। बाज़ार स्तरीय विलोम मांग वक्र है : $P(Q) = 24 - 2Q$, यहाँ Q पूरे उद्योग की माँग की मात्रा है। इस जानकारी के आधार पर इन प्र नों के उत्तर लिखें :

(i) फर्म क्या कीमत वसूल करेगी? वह उस कीमत पर ऊर्जावर्धक पेय की कितनी मात्रा बेच पाएगी?

(ii) मान लें कि अब एक अन्य फर्म बाज़ार में प्रवे ा कर लेती है। उसका लागत वक्र भी पहली फर्म जैसा ही है। अब दोनों फर्मों का कूर्नो संतुलन क्या होगा?

(iii) यदि फर्म-2 बाद में बाज़ार में आई फर्म हो तो दोनों फर्मों के लिए स्टैकलबर्ग संतुलन उत्पादन कितना-कितना होगा?

(iv) कूर्नो स्थिति में दोनों फर्म कितना-कितना लाभ कमाएंगी और स्टैकलबर्ग स्थिति में कितना-कितना?

(v) उपभोक्ता किस बाज़ार रचना को बेहतर मानेगा : एकाधिकार, कूर्नो द्वयाधिकार या फिर स्टैकलबर्ग द्वयाधिकार?

2. (क) दो व्यक्ति–दो वस्तु विनिमय द ा रहे एक एजवर्थ बॉक्स पर विचार करें। व्याख्या करें कि प्रारंभिक संपदा-धारण बिंदु से प्रारंभ कर दो व्यक्तियों के बीच व्यापार किस प्रकार होता है? पैरेटो अभीश्ट बिंदु तथा संपदा धारण बिंदु से गुजरने वाली रेखा के ढाल का क्या महत्त्व है?

(ख) दो व्यक्ति A तथा B और दो वस्तुओं X तथा Y की वि ाुद्ध विभिन्न अर्थव्यवस्था पर विचार करें। मान लें कि दोनों व्यक्तियों के पार की दो-दो तथा की एक-एक इकाई की 'संपदा' है।

आइये, दोनों व्यक्तियों के उपयोगिता फलन क्रम ाः $U_A = min\{X_A, Y_A\}$ तथा $U_B = min\{\frac{X_B}{4}, Y_B\}$ है। जहाँ X_i और Y_i $i = \{A, B\}$ द्वारा i-वें व्यक्ति के X तथा Y वस्तु के उपभोग द ाए गए हैं। प्रत्येक वस्तु के लिए समग्र अधिमांग वक्र आंकलित करें।

भाग 'ख'

इस भाग के सभी प्र न हल करें।

5×12 = 60

3. (क) एक स्थैतिक द्यूत की आप गत्यात्मक द्यूत से अलग रूप से पहचान कैसे करेंगे?

(ख) इस द्यूत पर विचार करें :

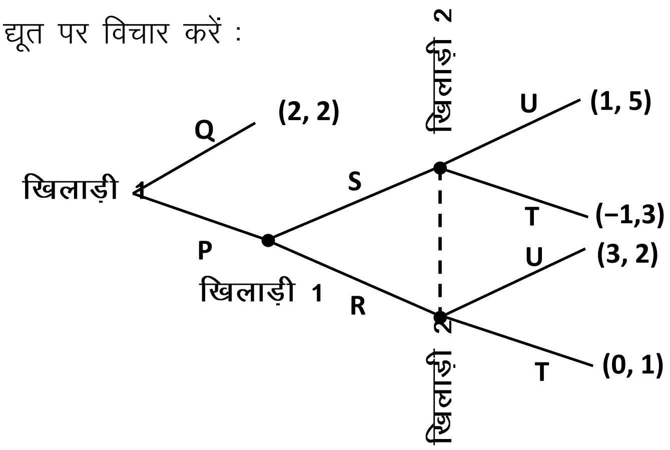

(i) क्या इस द्यूत में प चागमन विधि प्रयोग कर समाधान पाया जा सकता है?

(ii) इस द्यूत का उपद्यूत संपूर्ण नै ा संतुलन क्या होगा?

4. कॉल्डर की क्षतिपूर्ति कसौटी क्या है? इसे पैरेटो विसंगति के समाधान के लिए कैसे प्रयोग करते हैं? यह हिक्स की क्षतिपूर्ति कसौटी से किस प्रकार भिन्न है?

5. (क) एक समस्थैतिक उत्पाद वक्र की अवधारणा समझाइए। आपको यह उत्पादन फलन दिया गया है :

$$q = AL^{0.5}K^{0.4}$$

जहाँ, q कुल उत्पादन, L और K क्रम ाः श्रम एवं पूंजी द ाति हैं। यहाँ A एक तकनीकी गुणंक है। ऐसे उत्पादन फलन में पैमाने के प्रतिफल कैसे होंगे?

(ख) ''समस्थैतिक उत्पादन फलन में समघातीय उत्पादन फलन एक वि ोश दृश्टांत के रूप में समाहित होता है''। इस कथन का औचित्य समझाइए।

6. (क) हिक्सीय और वालरावादी माँग फलनों में भेद बताइए। क्या वे कभी प्रतिच्छेदन नहीं करती? व्याख्या करें।

(ख) इस कॉब-डग्लस उपयोगिता फलन पर विचार करें :

$$U(X, Y) = X^{1/5}Y^{4/5}$$

जहाँ उपभोक्ता P_X तथा P_Y कीमतों पर क्रम ा X तथा Y मात्रा में इन वस्तुओं का उपभोग कर सकता है। मान लें कि उसकी आय M रुपये है। निर्धारित करें

(i) वस्तुओं X तथा Y के अक्षतिपूरित माँग वक्र

(ii) वस्तुओं X तथा Y के क्षतिपूरित माँग वक्र

7. राज को आ ा है कि उसकी भावी आय रु.100 होगी। यदि कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो जाए तो उसकी भावी आय की प्रत्या ा रु.25 रह सकती है। उक्त दु घटना की संभाव्यता $\frac{2}{3}$ है जबकि सुघटना चक्र की संभाव्यता $\frac{1}{3}$ है। मान लें कि उसका उपयोगिता फलन $U(Y) = Y^{1/2}$, जहाँ Y मौद्रिक आय को द ा रहा है। एक बीमा कंपनी राज को दु घटना के कारण आय की हानि का पूरा बीमा एक उचित बीमांकीय बीमा भुाल्क पर करने की पे ाक ा करती है।

(i) क्या राज उस पे ाक ा को स्वीकार कर लेगा? व्याख्या करें।

(ii) बीमांकीय दृश्टि से उचित बीमा भुाल्क की दर यहाँ क्या होगी?

(iii) राज बीमे के लिए अधिकतम कितना भुगतान करेगा?

एमईसी–002: समष्टिगत आर्थिक विश्लेषण
(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–002
सत्रीय कार्य कोड :एमईसी–002/2020–21
अधिकतम अंक: 100

नोट: सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग–क में दिए गए प्रत्येक प्रश्न के 20 अंकों के हैं (लगभग 500 शब्दों के उत्तर दें)। भाग–ख में दिए गए प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों के हैं (लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें)। आंकिक प्रश्नों की स्थिति में शब्द सीमा लागू नहीं है।

भाग क

1) सोलो मॉडल में समुचित प्रावस्था वृद्धि हेतु आवश्यक स्थितियाँ व्युत्पन्न कीजिए। इसके निहितार्थ क्या हैं? स्वर्णिम नियम किस नजरिये से समुचित प्रावस्था से भिन्न हैं?

2) आईएस और एलएम वक्रों के निहितार्थ क्या हैं? आईएस एवं एलएम वक्रों की स्थिति एवं प्रवणता किन कारकों पर निर्भर करती हैं?

भाग ख

3) फिलिप्स वक्र क्या दर्शाता है? अल्पकालिक एवंदीर्घकालिक के दौरान वक्र की संरचना में नजर आने वाले फर्क का समाधान आप कैसे करते हैं ?

4) ल्यूकस के दृष्टिकोण से केंजीय मॉडल की सीमाएँ क्या हैं? इसे बेहतर बनाने के संबंध में वे क्या सुझाव देते हैं?

5) अंतर्जात वृद्धि सिद्धांत की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

6) किस तंत्र के माध्यम से लचीली विनियम दर के तहत आंतरिक एवं बाह्य संतुलन की उत्पत्ति होती है।

7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए:

   क) स्थायी आय परिकल्पना

   ख) तार्किक प्रत्याशाएँ एवं अनुकूली प्रत्याशाएँ

एमइसी–003 / एमइसी–103 : परिमाणात्मक विधियाँ

(सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमइसी -003 / एमइसी–103
सत्रीय कार्य कोड : एमइसी -003 / 103 / टीएमए / 2020-21
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग क का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। भाग ख का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

भाग – क

1) इस उपभोक्ता फलन पर विचार करें:

$u = f(x_1 \dots x_n)$ जहां $x_i, i = 1,2,\dots,n$ द्वारा n वस्तुओं की उपयुक्त मात्राएं दर्शाई गई हैं।

इन वस्तुओं की कीमतें $P^i, i = 1,2,\dots,n$ हैं। उपभोक्ता की आय M है। दर्शाइए कि उपयोगिता अधिकतम करने की समस्या का लेग्रेंज गुणांक, आय की सीमांत उपयोगिता के समान होता है।

2) (क) प्रसामान्य संभाविता आबंटन फलन क्या है? इसकी विशेषताएं बताइए।

(ख) कंप्यूटर के माइक्रो प्रोसेसरों में प्रयुक्त सेमी कंडक्टरों में अशुद्धियों की घनता का वितरण एक प्रसामान्य यादृच्छिक चर पाया जाता हैं जिसका माध्य 127 प्रति मिलियन है और मानक विचलन 22 प्रति मिलियन है। वही सेमी कंडक्टर स्वीकार्य होते हैं जिनमें अशुद्धि घनता 150 प्रतिमिलियन से कम होती है। कुल उत्पादित सेमीकंडक्टरों के किस अनुपात को कंप्यूटर निर्माता स्वीकार कर लेंगे? ($z = 1.5$ के साथ जुड़ा मानक प्रसामान्य वक्राधीन क्षेत्रफल 0.668) है।

भाग – ख

3) प्रथम एवं द्वितीय कोटि के व्यतिरेक समीकरणों की विशेषताओं में भेद स्पष्ट करें। इन दोनों प्रकार के समीकरणों से किन आर्थिक समस्याओं को सुलझाया जा सकता है? उदाहरण दें।

4) x_1 तथा x_2 में निम्नलिखित रैखिक प्रोग्रामन समस्या को हल करें –

$C = 0.6x_1 + x_2$ का न्यूनतमीकरण कीजिए

जबकि $10x_1 + 4x_2 \geq 20$

$5x_1 + 5x_2 \geq 20$

$$2x_1 + 6x_2 \geq 12$$

$$x_1 \; and \; x_2 \geq 0$$

5) किसी जार में 8 लाल, 6 पीली और 6 नीली बॉल हैं। यादृच्छिक विधि से इस जार से दो बॉल निकाली जाएंगी – पहले निकली बॉल को वापिस नहीं रखा जाएगा।

(क) पहली बॉल लाल और दूसरी पीली होने की प्रायकिता क्या होगी?

(ख) इस बात की प्रायिकता क्या होगी कि कोई भी बॉल लाल नहीं हो?

6) एक प्रौद्यौगिकी आव्यूह इस प्रकार हैः

$$A = \begin{bmatrix} 0.2 & 0.3 & 0.2 \\ 0.4 & 0.1 & 0.2 \\ 0.1 & 0.3 & 0.2 \end{bmatrix}$$

और अन्तिम मांग सदिश हैः $D = \begin{bmatrix} 10 \\ 5 \\ 6 \end{bmatrix}$

तीनों वस्तुओं के उत्पादन स्तर आंकलित करें।

7) (क) एक परीक्षण-समंक क्या होता है?

(ख) एक पुच्छ एवं द्विपुच्छ परीक्षण में भेद करें।

(ग) *p*- मान क्या होता है?

एम.ई.सी.–004 : वित्तीय संस्थाएँ एवं बाजार
सत्रीय कार्य

कोर्स कोड : एम.ई.सी.–004
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.–004/ए.ए.टी./2020–21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न के उत्तर दीजिए। खण्ड 'अ' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है, जबकि खण्ड 'ब' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

खण्ड–अ

1. एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली की व्याख्या कीजिए, इसके मुख्य घटक संस्था, बाजार तथा साधन के बारे में बताते हुए वित्तीय बाजार में कोश–प्रवाह की संरचना को समझाइये।

2. मार्कोविट्ज के कुशल पोर्टफोलियो चयन के सिद्धान्त की चर्चा कीजिए। इसके आधार पर पूंजी परिसम्पत्ति मूल्य निर्धारित कैसे प्रस्तुत किया जाता है ?

खण्ड–ब

3. क्रय–विक्रय (Arbitrage) मूल्य निर्धारण सिद्धान्त समझाइये।

4. द्वितीयक बाजारों में भंडार (जमा) प्रणालियों की आवश्यकता तथा भूमिका समझाइये। अभिरक्षक सेवाओं की संरचना समझाइये।

5. केन्द्रीय बैंकिंग के सैद्धान्तिक मॉडल प्रदान करें, मैट्रिक मूल (Base) तथा मैट्रिक नीति के कौन से साधनों का केन्द्रीय बैंकों द्वारा प्रयोग किया जाता है।

6. स्थिर विनिमय दरों के अंर्तगत मैट्रिक नीति के प्रभाव की तुलना कीजिए लचीले विनिमय दरों के अंतर्गत मैट्रिक नीति के प्रभाव से।

7. किसी फर्म के उत्तोलन (Leverage) की अवधारणा की चर्चा कीजिए। उपयोग होने वाले मुख्य वित्तीय तथा उत्तोलन अनुपातों की चर्चा कीजिए। मर्टन–मिलर प्रमेय समझाइये।

एम.ई.सी.–105 : भारतीय आर्थिक नीति

सत्रीय कार्य

(टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–105
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.105/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्र ों के उत्तर दें। खंड–क से प्रत्येक प्र न का उत्तर लगभग 700 भाब्दों में देना है। इस खंड का प्रत्येक प्र न 20 अंक का है। खंड–ख से प्रत्येक प्र न का उत्तर लगभग 400 भाब्दों में देना है। खंड–ख के प्रत्येक प्र न का मान 12 अंक का है।

खंड – क

1. क्या आप ऐसा मानते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था अल्प विकास से विकास, गरीबी से समृद्धि तथा दुर्लभता से बहुलता के संक्रमण पथ पर है? सकारण उत्तर दें। आर्थिक संवृद्धि के राश्ट्रीय आय के वितरण पर पड़ने वाले प्रभावों का मूल्यांकन करें।

2. ''भारत में जीवन की गुणवत्ता संतुश्टि के स्तर से दूर है'' इस कथन पर टिप्पणी लिखें।

खंड – ख

3. गत दो द ाकों के दौरान औद्योगिक संवृद्धि के प्रारूप तथा वृद्धि दर का वि लेशण कीजिए। उच्च औद्योगिक संवृद्धि दर प्राप्त करने हेतु आप कौन-कौन से सुझाव देना चाहेंगे?

4. दूसरी पीढ़ी के आर्थिक सुधारों के अवयवों (constituents) को बताइये। दूसरी पीढ़ी के आर्थिक सुधार भारत के विकास की वर्तमान चुनौतियों को किस सीमा तक सुलझा पाएंगें?

5. राज्यों को अपने उत्तरदायित्वों तथा अधिकारों में उनकी यथायोग्य साझेदारी होनी चाहिये। इस कथन के प्रका ा में भारत में केंद्र-राज्य के संबंधों के विशय में महत्त्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा कीजिये।

6. गत दो द ाकों के दौरान भारत के भुगतान संतुलन का लेखा-जोखा दीजिए। भुगतान संतुलन की उभरती द ा के नीतिगत निहितार्थों को बताइये।

7. खाद्य सुरक्षा से आप क्या समझते हैं? भारत सरकार द्वारा खाद्य सुरक्षा की दि ा में उठाए गए कदमों का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।